CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्रीगणेशाय नमः ॥ ओं नमो [illegible] नमः

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् ॥

प्रसन्नवदनं ध्यायेत्सर्वविघ्नोपशान्तये ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ध्येयः [illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सि. पु. ४

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ श्रीभगवानुवाच ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ श्रीपार्वत्युवाच ॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

यथा कंअपिमद्भुत ॥ भवेब्रह्मणी नियमम् । इ वबंधुं भट्टमोमुरि: ॥
श्रीभट्टारकेवउवम ॥ भमुभमुद्वया ५ धुं विष्णु भगवद्य
हि: ॥ नृधुं भट्ट भुवन्या भिभ । हेरेलेकु हेय क्रियम ॥
मभुश्रीभगवत: श्रीविष्णु: नमभट्टमुद्रा ॥ भगवं श्री
भट्टारकवधि: ॥ मनधुधुक: ॥ श्रीनृहु: ममभट्टारकेवड ॥
श्रीमू वेरीसं ॥ श्रीजन: मक्रि: ॥ पुष्टेवन्दृ नकये । पहि
इयपविवन्तुमा ॥ मूर्तिम डिभ लेजु लभमु
द्रु भकलकभतं भिदुकु । श्रीपमभश्रीहे कंभू ० सिनिय
गः ॥ मवहृभ: ॥ ॐ श्रीभभत्सेव: पाकु ॥ हृदय यनम: ॥
७८) कधुहुं नम: ॥ ॐ भलभत्रिन नद्म: ॥ अस्त्रीहुं नम ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

सिन्मि॥ भगवान्वेदव्यास ऋषिः अनुष्टुप्छन्दः॥ मधुमहं॥ त्रिपाद्यं॥
प्रदंवेसमर्कःभः॥ मनाभि॥ कवच॥ मूलमित्रमूल
॥ लिङ्गन्यासप्रदक्षिणमव॥ कलिपुहं॥ नेत्रहं॥ पञ्च
पदिङ्न्यासयमित्रभू॥ हृदकाङ्गलकरपधूहंनमः
हृदपम्भूयदल॥।॥ ॐ अस्य श्रीविष्णुसहस्रनाममह
मन्त्र॥ श्रीभगवान्वेदव्यास ऋषिः॥ अनुष्टुप्छन्दः॥ श्रीभगवद्वि
ष्णुः देवता॥ अमृतांशूद्भवो भानुरिति बीजम्॥ देवकी
नन्दनः स्रष्टेति शक्तिः॥ श्रीविष्णुप्रीत्यर्थं जपे॥ सहस्र
विधिभयवस्तुभ्यमृत॥ श्रीभगवत्प्रीत्यर्थं जपे
विनियोगः॥ ॐ विश्वं विष्णुर्वषट्कारो॥

वि॰
पु॰
१

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

स्वमेतराय शुभाशुभप्रदात्रे ॥ विश्वरूपधराय विष्णुरूपाय ॥
सदानन्दमयाय निर्मोहाय ॥ ईशानस्वरूपाय प्रभवे ॥ परंब्रह्मणे ॥
परमात्मने ॥ परात्पराय ॥ परंधाम्ने ॥ परंज्योतिषे ॥ परंरूपाय ॥
परंपराय ॥ परमशिवाय ॥ परमेश्वराय ॥ परंगुणाय ॥ पर
मगुरवे ॥ परमपुरुषाय ॥ पुरुषोत्तमाय ॥ परमानन्दाय ॥ परमेश्वराय ॥
सर्वज्ञरूपाय ॥ परंदेवाय ॥ परमपुरुषाय ॥ परमेश्वराय ॥ नि
र्मयाय ॥ निर्विकाराय ॥ निर्विकल्पाय ॥ निष्क्रिय
य ॥ निराकाराय ॥ निरालम्बाय ॥ निर्लेपाय ॥ निर्गु
णाय ॥ निरञ्जनाय ॥ निर्मलाय ॥ सर्वज्ञाय ॥ सर्वगाय ॥
सच्चिदानन्दाय ॥ सर्वमयाय ॥ सर्वरूपाय ॥ सर्वप्रियाय ॥ सर्वधि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

रुप॥ भुपाय॥ पृथ्वीशाय॥ पृथ्वीरूपाय॥ भत्रूपाय॥ भक्षसेय॥
भवहुय॥ भवगाय॥ भवमैः॥ भवरूप॥ भवठवताय॥ भ
वमभृ॥ भवभक्षि——॥ भवभूप्रमय॥ भवमेमे॥ भवम
तुय॥ भवमराय॥ भवद्भुते॥ भवदेभायाय॥ भवव
भय॥ भवकुपाय॥ भवरूये॥ भवक:गपद्म॥ भवरु
य॥ भवदेहरूय॥ भवक—— कराज्ञय॥ भवहिमय
कय॥ भवमुकाय॥ भवमेचमुराय॥ धर्हिसकय॥ ह्निं
भवविष्णुवे॥ भवउहय॥ भवदविधे॥ विहिष्ठिरूय॥
विहपुत्रय॥ विहन्तरूय॥ भवउन्नय॥ भयापडय॥
येगपडये॥ केवलपडये॥ भुङ्गतुवे॥ ——ष्टी दुय॥

वि॰ मु॰ ७

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कलशीड्याय ॥ ठवरिपवाय ॥ प्रकृताय ॥ भद्राय ॥ मृ
गमुख्रुपाय ॥ निद्रोन्मृताय ॥ योगिप्रियाय ॥ योगभ
याय ॥ ठववकुंकुमेगंधकाय ॥ भग~~पमंडवाय ॥ पु
ष्टिद्राय ॥ भगवेद्भवाय ॥ वेदत्रवेद्याय ॥ महे
याय ॥ ऽपयद्रयदिवल्लिदाय ॥ वृकविद्युद्भयाय ॥ म
नुप्रियाय ॥ भयकृन्मयाय ॥ भयंकराय ॥ भवेपवराय ॥
ऽद्ग्भीताय ॥ ऽर्तिस ॥ ऽद्भिनोः ॥ पूर्णवयप्रदाय ॥ ॥१००॥
प्रदं ॥ ऽंभवड्भगाय ॥ भुवनवेद्याय ॥ रुद्र
पाय ॥ ऽगीयाय ॥ ऽभमःपाम्ह ॥ कृतम्मृपाय ॥ भ
वभंक्षिपुपाय ॥ वद्मनेगोमतिगाय ॥ भक्तपुष्ट्याय ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

भवभञ्जनाय ॥ कलाय ॥ भवकण्टककृन्ताय ॥ भवतलस्पृय
भवगाढये ॥ भवनिकृन्ताय ॥ दुःखभञ्जनाय ॥ प्रलयकृद्रु
ये ॥ भवनाशाय ॥ सद्भक्ताय ॥ विष्णुभेदनाय ॥ भवभ
याय ॥ विष्णुवीराय ॥ भगमक्षये ॥ भावकृत्वे ॥ भ
वकष्टाय ॥ भवतलीलाय ॥ भवकूटवमकृताय ॥
भविनिकृताय ॥ भवलीलाय ॥ कृष्णीकृताय ॥ भव
भद्राय ॥ निन्दयाकृतिप्रियाय ॥ दंभघ्नाय ॥ भयघ्नाय ॥
भवत्रिविभ्रकृताय ॥ भक्तपालाय ॥ भक्तवत्सलाय ॥ भव
वृद्धये ॥ दुर्नायकाय ॥ मृत्युंजयाय ॥ भक्तप्रिया
भिवे ॥ भवधराय ॥ विश्वप्रवर्धये ॥ भवतरभिवे ॥ दिवस ॥

वि॰ स॰
1

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

भव मेघोद्भवाय॥ वृक्षनन्दसूक्ष्मभूतेश्वराय॥ सर्वभुवि
ष्ठभवाय॥ वृक्षधिपेन्द्र॥ सर्वरुद्रपाशीश्वराय॥ भवदेवाधि
पाय॥ भुवनेश्वरभूतये॥ सत्त्वप्रभवाय॥ भवदेवैकमात्म
य॥ भवदेवैकदेवाय॥ यन्त्रमुद्रे॥ यन्त्रोद्भवल
य॥ यज्ञेश्वराय॥ यज्ञोद्भवाय॥ यज्ञाङ्गे॥ यज्ञ
प्रिये॥ वेदमालिने॥ देवेशि॥ देवदेवेशि॥ देवदेवाधि
पाय॥ १०॥ सिद्धिदेवप्रभावाय॥ सिद्धकुलदेव
राय॥ सर्वात्मरूपाय॥ भवदेवभूतये॥ भवभूतेश्व
रस्थलरूपाय॥ भवलोकेश्वरायाय॥ भवलोकेश्व
राय॥ भवभुविभुक्तिमुक्तये॥ सिद्धिकलि॥ सर्वदृश
त्रिने॥ ताण्डवाय॥ सर्वरूपदृष्टे॥ नैमित्तिकिने॥ धर्मध
र्माय॥

वि. मु. ३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

गन्धवहनाय ॥ मणिविद्रुमवर्धये ॥ मधुपस्तुत्य ॥ इतिलेख
पवनाय ॥ मनत्रकोत्रुये ॥ त्रिभ्रीमधुरुधाय ॥ मधुमद
लाय ॥ प्रसूकेलिभूमीकमनाय ॥ यमकेलिनगमुख्याय ॥
पुष्पकेलिसुगन्धिपु ॥ वसुकेलिमनोहलाय ॥ केलि
सुगन्धवन्दिने ॥ मधुकेलिमनोहराय ॥ उर्वीकेलि
श्रीवहे ॥ मधुकेलिविलासविदे ॥ कुसुमकेलिलब्ध
रूपाय ॥ जलकेलिहितमनोज्ञाय ॥ मधुकेलिगम्भीराय ॥
शीतकेलिमनोज्ञाय ॥ हिमकेलिनिसर्गमधुराय ॥ के
लिवृक्षगन्धविधृताय ॥ हिमसुमनपापघ्नाय ॥ वसु
केलिमनस्विनाय ॥ मणिकेलिप्रभूढये ॥ कुसुमकेलि
कमलाय ॥ पुष्पविहारकेलिप्रियाय ॥ मिथिविधुराय ॥ शुभि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

सूक्ष्माय ॥ विश्वभूताय ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
वैकुण्ठाय ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ नि
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ विश्व[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ योगीश्व
राय ॥ [illegible] ॥ [illegible] शिवलिङ्गाय ॥ [illegible]
[illegible] ॥ विश्व[illegible] ॥ [illegible] सूक्ष्म
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
य ॥ विश्व[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ विश्वस्वरूपाय ॥ निर्मलाय ॥ [illegible]

शि॰ स॰ १७

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

लेलेक्रमय ॥ त्रिभल्लय ॥ भक्तुउठेगवडे ॥ वहूभयय ॥
वसूविसय ॥ विस्वज्ञोनय ॥ भोउभय ॥ भवनूयभ
उदे ॥ त्रिव्हानत्तुकुव ~ कुधिडय ॥ भवलग्न ~ ल
कहूय ॥ भवमदेशूमय भ्र ॥ भभभूमवभवस्वय ॥
भवमवडनयकय ॥ भभभूमवड गजय ॥ भूपव म
त्रिपरूरय ॥ भभभूमवक्वमय ॥ भवमवसिभे ~
ये ॥ भभभुठवठिन्भ्रु ॥ कनवड ॥ विधुन्भूवम सिव
भवदिडेमकय ॥ उड्भु ॥ उजिडे: ॥ ६ऽ दि ग
डिभूलयभ्रुङ ॥ ३... ॥ डभवमवडलीवमय ॥
वृक्र्ष्णविभिये ऽकय ॥ मक्रभभुपल्हुयव ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ग्रहेशमुनिभिर्वन्दिताय॥ नमः [illegible]॥ किरीटिने॥ नमः कृपालवीत
य॥ नमः स्तुत्याय॥ नमः सुरेन्द्रमण्डलाय॥ नमः शंकराय॥ नमः
रूपाय॥ नमः सृष्टिकर्त्रे नमः स्थितिरूपाय॥ नमः लयकराय॥ नमः
स्थितिरूपाय॥ नमः सर्वज्ञाय॥ नमः शिवाय॥ नमः प्रियाय
य॥ नमः ऋषिपूज्याय॥ नमः प्रभुपूज्याय॥ नमः त्रिपुराय॥ न
मः पुराय॥ नमः सर्वरूपाय॥ नमो वेदरहस्याय॥ नमः स्तवरूप
ये॥ नमः स्वरूपाय॥ त्रिगुणाय नमः सूर्याय॥ नमः पुष्कर
य॥ पुरन्दराय॥ नन्दिकेश्वराय॥ अघोरेश्वराय॥ न
मः पुरुषार्थप्रदाय॥ [illegible]॥ नमः भानुकोटिस्त
नमः चक्रविभूषिताय॥ वेदमार्गाय॥ [illegible]
[illegible]॥

वि॰
मु॰
२०

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

भभभराय॥ उपेनिणये॥ मशूल्याय॥ मेधुय॥
भुग~~ह्वये॥ तिभुय॥ मनुये॥ पाय्य्रे॥
य॥ मिवाहिमूलेविष्णुभिते॥ वीकण्ठकव
रभूरुय॥ नगेयु॥ मीगुखुय॥ डगये॥ णद
नन्दनाय॥ पद्मलोचनाय॥ भूणिकाइ॥ भवम
हय॥ भवमीरकृमयप्रे॥ हिकलमिथक
चराय॥ उर्वशीमते॥ भगीरथाय॥ भुड
य॥ कवये॥ डयग्रीवाय॥ भवरगीश्वरी
श्वराय॥ भवेष्टवमयाय॥ पञ्चगवे॥ वशी
भुगीपडये॥ मनन्तविड्ढ पक्ववाय॥ भ्रलवि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

त्रिविक्रमकाय ॥ भवबन्धच्छेदाय ॥ गरुडध्वज
मकाय ॥ भुजप्रलम्बनाय ॥ श्रीकमलकेलीमयाय ॥
मधुकैटभरागाय ॥ शुचिविशुद्धे ॥ वेदवक्त्रे ॥
वेदमूर्त्तये ॥ मुनिगणगाय ॥ यज्ञवेदध्वजा
य ॥ भवविष्णुर्ब्रह्मरूपे ॥ विष्णुरूपाय ॥ ह
रिमूर्त्तये ॥ श्रीशम्भुरूपे ॥ पापहृत्प्रिये ॥ मधु
देवाय ॥ भक्तमनस्तुत्याय ॥ गरुडासनवाहि
ने ॥ लीलावपुषे पिनाकभूषणाय ॥ मधुकैटभ
ध्वंसकाय ॥ शुचिवर्णमयाय ॥ भक्तिवल्लभाय ॥
इन्द्रोपेन्द्राय गरुडध्वजाय ॥ मम मनोरथदाय
य ॥

वि॰
पु॰
००

मीत्रवेदांतिकाचार्य ॥ शुद्धतमाय ॥ परा०
कालीवासाय ॥ दिव्यरूप
राय ॥ वसुरूपाय ॥ मृत्युञ्जयकल्पकाय ॥ उज्ज्वलाङ्गः
य ॥ पद्मीपाय ॥ [illegible] ॥ ... ॥ सर्वतं
भभभूधिपहरीशिष्ययश्रद्धे ॥ देवेकर ॥ देवकदे
वेभभूधिपद्मलीलाय ॥ लेभन्तम्ब्रीतम्लमय
लक्ष्य ॥ कल्पदलमय ॥ मदवादय ॥ यज्ञ
श्रीतिडम्बधमनागय ॥ नाभिंदय ॥ प्रिय
रूपमकय ॥ यज्ञिष्ठकल्पियाय ॥ नाभिंदय ॥ ब्रह्म
सिद्धय ॥ भवविष्णुविकुः यश्च ॥ पद्मनाभाय ॥ शु
कुडवलय ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ङ्गानन्दकाठकाकाय॥ ज्येमाय॥ सद्भूभद्रराय।
कुलप्रधकठकाकाय। सचन्द्रयुठड्रि, रूप्य।
त्रसिंहाय॥ वाजहादि। ये॥ येसिनोमकसहमाय
मङ्गलियस्रभंभङ्गरे॥ रूपाय॥ नरायेन्द्राय
भवक्लपमङ्गावङ्काय॥ भवक्लयसिवहद्॥ ड
धुमङ्गिमडमङ्गरे॥ उलभीवल्लठाय॥ वीर
य रभयरायः॥ सविलेधुरूय॥ भडसिवाय।
सिवनुस्ट.. ॥ ठरवेकुकयलिकुडे॥ सिठल्लीम
रेश्वराय॥ मङ्गलिहूमेडच्छपराय॥ गनीमेठ
रूपाय॥ भयनिठये॥ भयठयपडाय॥ ठक्ते

वि॰ भु॰ ०३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

रैभयाय । कृष्णीभवाय ॥ इयीभवाय ॥ भवुक्तहाय
वलिमुंभिने । वभनाय । नयिडिमः । यशा ॥ उपेन्द्र
य ॥ रुपडये ॥ विष्णवे ॥ डजिष्णुः ॥ कुष्णप वयभ
न्नय ॥ १ ॥ ॥ पूर्णे ॥ सै वलिभुग न्नय ॥ भव
देवविभूवनय ॥ मधुसूदनय ॥ उपेन्द्रभैय ॥ डोक्षप
नय ॥ श्रियनय ॥ लिविक्रमाय ॥ हैमपनय ॥ सुप
न्नमुपविहरनगाइयाय ॥ वभैमा हरिवश
द्वये ॥ कुडेन्द्र शिवनय ॥ मधिमुकुन्द
भोग्य ॥ विश्वरूपाय ॥ भूधरलय ॥ रमेदपा
दश्चिट ॥ दशयशाभिरेनय ॥ पपदस्तुय ॥ म

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मुण्डकपाले॥ नागयज्ञाय॥ गङ्गाधराय॥ पञ्चशरकराय॥ भ
क्तिप्रियाय॥ भगवते भूतभूताय॥ भगवते भूतभू
तादिदेवते॥ [illegible]॥ [illegible]॥ भगवते
भूताय॥ नरपाय॥ भगभूतगणभूते॥ भगवते
भू॥ कपिलादिसिद्धदेवे॥ उग्रभूः॥ गतीभूय॥
त्रिशूलचापगदाधरे॥ विषचापगदाधरे॥ म
भूताय॥ भगवते भूतपूजिते॥ सिद्धपूज्याय॥ द
मेघदुन्दुभिनादाय॥ पिनाकहस्ताय भूतभूताय॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]याय। कुरु[illegible]कुसुम[illegible]मन[illegible]घीत[illegible]
य॥ [illegible]लैकयुम[illegible]ल[illegible]मेघ[illegible]ल[illegible]याय॥
स[illegible]ऽगमठ[illegible]य। [illegible]व[illegible]कत्रुत॥
रम[illegible]डीयाय॥ [illegible]ये॥ ल[illegible]य॥ [illegible]
डे[illegible]डि॥ [illegible]माय॥ रमो[illegible]
र[illegible]निवडाय॥ ठाडाय॥ ममह[illegible]ग[illegible]वे[illegible]
घ्राय॥ लवनत्रुकय। मरघ्राय। वैह[illegible]॥
वि॰ त्रुधुवे[illegible]गठय॥ [illegible]धपीपडय॥ निह[illegible]काय॥
मृ॰
०५

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ञ्चत्रुरये । वल्लभाय ॥ ॐ गहनाय ॥ प्रवर्त्तिप्रियाय ॥ भग-
वीराय ॥ सर्वकालमयाय ॥ विद्याप्रियाय ॥ विश्वप्रकाश्य-
मन्त्राय ॥ मेधाप्रदर्शनोपविश्रमाय ॥ ॐ ॥ ॐ ह्रीं ॥ विश्वरूपमेध
[illegible] दायिने ॥ १०० ॥ ॐ वरप्रदाय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ भवविभूतिप्रदाय ॥ विश्वरूपकलितस्वरूप-
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ महाभूताय ॥ महाभू[illegible]य ॥ महामुनि
[illegible] ॥ महाभूत[illegible]ाय ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
य ॥ [illegible]ाय ॥ [illegible] ॥ नीलभुजाय ॥
[illegible]ाय ॥ अनेककाय[illegible] ॥ [illegible]

शि. [illegible]
[illegible]

दृष्टिभुभट्टपादित्रिविक्रमसानन्दनाय ॥ हलिमुंय
भनाय ॥ योगाय ॥ निद्रिलिपाय ॥ मूलगुप्त ॥
मुष्टिकप्राय ॥ ज्ञिविरुपु ॥ कलिकेकघ
य ॥ हलाय ॥ देवकीमशुय ॥ प्रचण्डप्रिये
रुमुक्तरूपाय ॥ देवकीवशुदेवहृकलुप्प
हिडिनन्दनाय ॥ वड्डपय ॥ भट्टकुंमेघ्नूय ॥
मेत्ये ॥ यदुकुलेदुल्पाय ॥ नाद्वुंद्ये ॥ पोंडु
हल ॥ भद्रभनिवश्नुय ॥ श्रुद्धनिकश्च

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ललिताङ्गनवाम्बुदश्यामवर्णाय ॥ प्रपन्नपालाय ॥
मकरकुण्डलिने ॥ यमलार्जुनभञ्जनाय ॥ वत्सपाल-
काय ॥ कंसमर्दनाय ॥ वेणुवादनाय ॥ गोवर्धनाय ॥ ...
...ाय ॥ गोपवेषाय ॥ यमुनातटविहाराय ॥ कृष्णे-
...ाय ॥ भवगोपगोपीजनप्रियाय ॥ ली-
लाविग्रहधराय ॥ गोविन्दाय ॥ गोकुलेश्वराय ॥
...प्रभवाय ॥ कंसध्वंसगोपीविभक्तिप्रदाय ॥
...: कुवलयपीडघातिने ॥ ...
य ॥

वि॰
ग्र॰
३॰

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कलनुभलकुडकुडलनय॥ गल्नग कमडमभुसु
दि॥ नकुमिगल्नकेटिल्टिडु॥ लीलल्टिडमद
दिवर्य॥ मडटैवैकपुल्टिडय॥ उकुकुलुन
निठकुल्ययदय॥ पकुवैकपडु॥ कुमिर
लमिरकुडु॥ कहमक्टेकभनुनय॥ विसुबु
पमनककुकमिरल्मुडमुनय॥ ममुभरि
लुविंमिनि॥ रल्टि॥ उकुबु:॥ कमीमिलगुन
यकय॥ ३००॥ बि कमीमगल्नकेटिभ्र
य॥

बि॰
भ॰
४०

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਠਾਪਦ॥ ੲਾਰਵ੍ਰਣਾਕਿਯ ਗਤ੍ਰਿਲਯ॥ ਅਨੁਤਮਾਦ੍ਰਿਗਿ
ਲੋਕੁਦਯ॥ ਕੁਮਦੇਵਾਯ॥ ਤਿਖ੍ਯਤੇ॥ ਮਮਕਾਯ॥ ਸ
ਖੁਰਾਤ੍ਰਕਾਯ॥ ਸਰਲ੍ਹਯ॥ ਤ੍ਰਿਡਗੋ ਗੀਸਾਯ॥ ਸਤ੍ਰਿਕੁਤ੍ਰਾਯ॥
ਮਸ੍ਰੀਖਿਤਾਯ॥ ਪੁਖੇ ਸੇਵ॥ ਵਿਸ਼੍ਵਵਿਟ ਯਿਤੇ॥ ਮਨਾਯ॥
ਕਮੀਸ੍ਵਗੀਪ੍ਰਿਯਾਯ॥ ਤਖਾਖਤਯੇ॥ ਵਿਸ਼੍ਵਕੇਤਵੇ॥ ਵਿਸ਼੍ਵ
ਹਤ੍ਰਾਯ॥ ਸਪ੍ਰਿਯਸਵਾਯ॥ ਸਤੁਰਾਮ੍ਨਤੇ॥ ਸਤੁਵਰੂਯਾ॥
ਸਤੁਦ੍ਰਗਾਵਿਣਯਕਾਯ॥ ਸਤ੍ਰੁਲੈਕਵਿਸ਼੍ਵਮ੍ਨੇ॥ ਮਵੇ
ਕੁਕੁੰਸਕੇਟਿਸ਼੍ਵੇ॥ ਭਰਮਸ੍ਨੇ॥ ਖਾਲ ਖਯੇ॥ ਦੁਖਾ
ਯ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

वि. भु. ९८

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਲੋਖੁਸਾਯ॥ ਸਤ੍ਰੁਕ੍ਰੋਧਿਪਲਬਤ੍ਰਦ੍ਵਯ॥ ਭੂਲੁਪਾਪਮਿਤ੍ਰ
ਸ੍ਵਰਾਯ॥ ਧਸਾਣੁਸ੍ਰੂਤਿਭਾਨੇਸਾਯ॥ ਧਸਾਣੁਸ੍ਰੂਤਿ
ਗੋਪਕਾਯ॥ ਕਲ੍ਹਿਲ॥ ਵਿਸ਼੍ਣੁ:ਯਸ:ਭਣਯ॥ ਕਲਿ
ਕਲਵਿਲੈਪਕਾਯ॥ ਭਸਭੂਲ੍ਸ੍ਕੁਣਖੂਖਾਯ॥ ਸ
ਵਸਿਧੁਦ੍ਵਿਸ਼ਤ੍ਰਿਤ੍ਰੁਤ੍ਰੇ॥ ਭਣਭਵਤ੍ਰਕਾਯ॥ ਦਵ
ਦ੍ਵਿਸ਼ਸੀਸਕ੍ਰਪਾਪਣਾਯ॥ ਸਸ੍ਵਵਾਸਿਵਕ੍ਰ
ਯ॥ ਪਬ੍ਰੀਣਜਤਿਨਸਨਾਯ॥ ਭਣ:ਕ੍ਰਨ੍ਰ
ਲਕ੍ਰੀਤਤ੍ਰੇ॥੨ ਨਖੁਨਿਸ੍ਵਧਪਸਧਤ੍ਰੇ॥ ।।੨।।

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

॥मे॥

मनत्रभ्रूरूयागैकेडभप्ररूणिपिलडिरूण्य॥ म
भग्रैकमागसुभु॥ विभ्रवभूरू यमुरूण्य॥ त्रुम
ने॥ उद्व पिपय॥ केत्रुमेघूय॥ विरये॥ उमपडेय॥
॥उड्डिवु:॥ छ्रुसुघूय॥ ७..॥ ठिभूरूमगूय॥
भगीमये॥ ऽनकगूरू॥ कसूपय॥ मेवगरू॥ उनूय॥
भूडुरूय॥ मैद्रूरू॥ मिमिन॥ नफेईमय॥ गवेये॥
उरू:मूघूय॥ मनूय॥ कवीभ्रूय॥ मडछ्रिगरू॥
हूगवे॥ विघुवे॥ मुफ्रिहेमय॥ रलिभ्रगरू॥ वयव॥

वि॰
मु॰
१५३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

वकेव ॥ भ्रमिमूर्धु य ॥ मक्कराय ॥ मदूराले ॥ गुवे ॥
विहुउभय ॥ मिट्टरकाय ॥ गनुवगूय ॥ मकेपु
भय ॥ वलमये ॥ मनूभ्रिय ॥ गोदै ॥ मक्तगूये ॥
भ्रिये ॥ नरमय ॥ दवभ्रिराले ॥ पन्हवगूय ॥ म
हूनय ॥ वमय ॥ मवमराले ॥ पवनयु ॥ पवने
मनय ॥ वम्ह्य ॥ यमभभडये ॥ गदूये ॥ श्रीहे
उभय ॥ हूउम्य ॥ कलकगूय ॥ वेधनय ॥ मह्नय ॥
भमक्षनूय ॥ मभूगूय ॥ वदूय ॥ भदाले उभय ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਤ੍ਰਿਮੂਰ੍ਤਿ॥ ਵਹ੍ਨਿਨਾਰਾਯ॥ ਨਿਰਾਸ਼੍ਰਯਾ॥ ਉਤਸ੍ਰਵਾਯ॥
ਸਨਤੁਰੇ॥ ਏਕਪਦ੍ਮਿਨਾਯ॥ ਸ੍ਵਭੂਤਯ॥ ਚੈਮਿਧਵਕਾ
ਣੇ॥ ਸਦੁਸ੍ਮਵਿਣ੍ਹਵੇ॥ ਵਿਣ੍ਹੁ ਪੂਰ੍ਵਯ॥ ਪੂਰ੍ਵਾਯ॥ ਕੁ
ਟਸੰਥਾਯ॥ ਮੀਰੇ॥ ਗਿਰਿਪਤੇਯੇ॥ ਮਾਨਾਯ॥ ਸਸ
ਤ੍ਰਯ॥ ਕਲਸਤ੍ਤਮਾਯ॥ ਸਿਤ੍ਰਕੂਟਸ੍ਥੇ॥ ਪ੍ਰਵਸਿਦ੍ਧਯ॥
ਕਪਿਲਾਯ॥ ਮਾਭ੍ਰੇ॥ ਵੈਸ਼੍ਵਾਨਰੇ॥ ਤੁਸ੍ਮਯ॥ ਧੇਨਧ੍ਯਾਯ॥
ਟ ਦੇਹਧ੍ਯਾਯ॥ ਕਮਠਾਯ॥ ਕਲਪਾਂਤਪਾਯ॥ ਸਤ੍ਯਸ੍ਵਰੂ
ਯ॥ ਕਮੰਡਲਵੇ॥ ਸਤ੍ਰਿਧਾਤੁਯ॥ ਸ੍ਰਹਤ੍ਮਾਯ॥ ਸਿ

ਪ੍ਰ॰ ਬ॰ ੬੮

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि॰ [illegible]
म॰ [illegible]
१०

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मवेनमिद्धिडेमनुः मूदयः मवकम [illegible] देय
गेधं मांदृमुडेकमिदृय॥ नवेमुत [illegible] दमक
लेपदड्मुने॥ ठत्रिमूनु विदीनय मिद्दुम मंदुम
मिने॥ मयं मृदयमिमृय महृमडिकडक [illegible]॥ मदू
ममदुडनेमं पूडिमुत लमेपम:॥ कलेमम नु:
ठलंप पमदु मवडिमूय॥ लेकनं कमदीनयं॥
यनडापंधिनमुडि॥ द्विपिमवेमवमुडदवड
ठंमुडि:॥ नभिविविदु: परमं नमिविदु: पं

वि.
भ.
३७

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

यदभा॥ [illegible] ग्निर्विष्णुः परं स्तुतं । न ग्निर्मे मभवे ष्णुवभा॥
न ग्निर्विष्णुः परं मुतं । न ग्निर्विष्णुः परं उपः॥ न ग्नि
विष्णुः परं [illegible]तं । न ग्निर्मभवे भवे ष्णुवभा॥ किंस्तूरद
ठिमेत्रं : म[illegible] किं रदविष्णुः॥ व लिपयमदत्र॥
ठत्रि द[illegible] न द्रुत॥ मवशीतमये विष्णुः । मवमध
मयः प्र[illegible]॥ मवप्रवमये विष्णुः । हिमदेवप्रदम॥
ष्णुवक्र[illegible] मवश्रं । मदमेत्रमये [illegible] आ॥ ॥ श्रीपव
हुडवं [illegible]॥ [illegible] मुत न दीड सिंदड कुमिप ग

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

दूहि:॥यज्ञयेमं सूतुं मुरें दूरुदत्तुं मरुलुं आ॥ शुडे

वउमदकुकुं ममसुमापकदत्ते॥विहुमवेपि

मचिम॥मुरु:ल्कि [illegible] ॥ [illegible] मुन्नि सूल

गत्रम॥मडमेपिशि [illegible] ॥ [illegible] त्रुलिपु

हनुयसीवी [illegible] ॥ [illegible] दवल

सकितुम [illegible] ॥ [illegible] यगी

सुरे [illegible] दे॥ ५५ [illegible] मविकेय [illegible] डमा

वि॰ डा॥उमवल्लूयवं [illegible] तिलुविम [illegible] ॥म

मं॰

९३

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri